बिन बरसात जल भराव रहता है अजरोंदा मार्केट में

फरीदाबाद (म.मो.) अजरोंदा गांव की बेशकीमती ज़मीन कौड़ियों के भाव खरीद कर सरकार ने सेक्टर 15 ए बना कर उस जमीन को अशर्फियों के भाव बेच दिया। इसका सबसे महंगा भाव कमर्शियल एरिया का है जहां सदैव ही पानी भरा रहता है। अधिकांश तो सीवर से बहता है तो कभी बूस्टर से पेयजल को भी बहते देखा जाता है। कूड़े के सड़ते ढेर की बात तो फ़िलहाल छोड़ ही दी जाय।

इसकी शुरूआत मैट्रो स्टेशन से ही हो जाती है। स्टेशन से उतर कर अजरोंदा चौक की ओर चलें तो फुटपाथ के न होने से सड़क पर ही चलना पड़ता है और जब उस पर भी पानी भरा खड़ा हो तो सोचिये कोई कैसे चल पायेगा ? सड़क के दायें ओर तो फलाईओवर है और बाईं ओर की खाली जगह की हालत ऐसी बना रखी है जिस पर कोई चल न सके, या तो ऊबड़-खाबड़ है अथवा अवैध कब्जों से घिरी है। मथुरा रोड से बाईं ओर मुड़कर जब 15 ए अथवा अजरोंदा में प्रवेश करते हैं तो एक ओर की साइड ट्रक घेरे रहते हैं तो दूसरी ओर पानी खड़ा रहता है। यही स्थिति सतसंग भवन से लेकर गांव के प्राइमरी स्कूल से आगे तक की बनी रहती है।

स्कूल के साथ वाली मार्केट के लगभग सामने वाटर सप्लाई का बूस्टर स्टेशन है। लोगों के घरों में पानी पहुंचे या न पहुंचे लेकिन इस बूस्टर स्टेशन से पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों पर बहता जरूर देखा जा सकता है। सड़कों को खराब करने के साथ-साथ यह शुद्ध पेय जल सीवर में जाकर उसे भी ओवरफ्लो करता है। प्रशासन की इसी नालायकी एवं निकम्मेपन को झेलने के लिये अभिशप्त हैं क्षेत्र के निवासी।

बड़खल क्षेत्र में 153 करोड़ की सीवर लाइन

फ़रीदाबाद (म.मो.) पुराना बसा एनआईटी शहर हो या नये नवेले 'हूडा' निर्मित सेक्टर हों, सभी जगह सीवर व्यवस्था पूरी तरह से बदहाल है। बडखल विधानसभा क्षेत्र, जिसकी सीवर व्यवस्था का नवनिर्माण कराने का दावा स्थानीय विधायक सीमा त्रिखा कर रही हैं, उसमें एनआईटी के एनएच 1,2,3,4,5 के अलावा सेक्टर 21,45,46,48,49 आदि के अलावा अनेकों कालोनी भी पड़ती हैं। इनकी सीवर व्यवस्था के जीर्णोद्धार पर सरकार द्वारा 153 करोड़ रुपये खर्च किये जाने का दावा किया जा रहा है।

विदित है कि उक्त एनएच एक से पांच तक का निर्माण तो 50 के दशक में ही हो गया था। लेकिन 'हूडा' निर्मित सेक्टरों का निर्माण 70 के दशक में हुआ था। नवनिर्मित 'हूडा' सेक्टरों की सीवर व्यवस्था की बदहाली का मूल कारण भ्रष्ट एवं निकृष्ट निर्माण प्रक्रिया रहा है। सेक्टर 21 में तो कई सीवर लाइन ऐसी भी हैं जो कहीं आगे जुड़ी हुई नहीं हैं, उनका पानी खुले में सूखने के लिये छोड़ दिया जाता है।

दूसरी ओर एनआईटी क्षेत्र के एक से पांच वाली सीवर लाईन काफ़ी बेहतर बनाई गई थीं। लेकिन बेहिसाब एवं अवैध कब्जों एवं निर्माणों ने सीवर पर इतना बोझ डाल दिया कि वे ओवरफ्लो होने लगे। इसके अलावा इन लाइनों के डिस्पोजल एवं नियमित रख-रखाव की भी कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई। खुले मैनहोलों में गिरकर राहगीर तो मरते ही हैं साथ में मलबा आदि गिरने से लाईन भी जाम हो जाती हैं। कुल मिलाकर प्रशासनिक भ्रष्टाचार एवं लापरवाहियों के चलते ही सीवर लाइन फेल हो रही हैं। कोई भी सीवर लाइन 10-20 साल के लिये नहीं बनाई जाती। एक बार बना दी गई सीवर लाइन सैंकड़ों साल चलती है। बशर्ते कि उसके निर्माणकर्ता इंजीनियर अनपढ़ व चोर न हों। कोई भी नया शहर बनाते वक्त सबसे पहले सीवर, सड़क तथा वाटर सप्लाई डाली जाती है। सड़क व वाटर लाइन का इस्तेमाल तो तुरन्त ही शुरू हो जाता है जबकि सीवर लाइन का इस्तेमाल दसियों-बीसियों साल बाद शुरू होता है। जब शहर पूरा बस जाता है और उस पर पूरा दबाव पड़ता है तो उसकी पोल खुलने लगती है। लेकिन उस वक्त तक ठेकेदार तथा सम्बन्धित अफ़सर कहीं के कहीं जा चुके होते हैं। लिहाजा जनता भुगतती और चिल्लाती रहती है।

अब दावा किया जा रहा है कि उक्त क्षेत्र में सीवरेज व्यवस्था सुधारने के नाम पर 153 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। व्यवस्था सुधरने की तो कोई सम्भावना फ़िलहाल नजर आती नही आतीं, हां, 153 करोड़ रुपये की बंदर बांट जरूर हो जायेगी। इस क्षेत्र के अलावा इससे करीब चार गुणा क्षेत्र और भी इसी शहर में सीवर व्यवस्था को भुगत रहा है। इसी हिसाब से यदि वहां भी खर्च किया जाय तो मामला 600 करोड़ से ऊपर का हो जायेगा। यदि इसकी स्वीकृति मिल जाये तो सम्बन्धित अफ़सरों, ठेकेदारों व नेताओं की बल्ले-बल्ले हो जायेगी।

उद्घाटनों के बावजूद बूस्टरों से पानी नहीं पहुंच रहा

फ़रीदाबाद (म.मो.) घोषणा एवं उद्घाटनवीर खट्टर जब इस शहर में इस तरह के पाखंड कर करके थक गये तो बीते सप्ताह एक बूस्टर स्टेशन के उद्घाटन का अवसर एनआईटी के कांग्रेसी विधायक नीरज शर्मा को दिया गया। सूर्य देवता भूमिगत टैंक का उद्घाटन करते वक्त घोषित किया गया था कि इसके द्वारा 20 लाख लीटर शुद्ध पेयजल की सप्लाई, क्षेत्र की डबुआ कॉलोनी, जवाहर कॉलोनी, गाजीपुर इन्क्लेव आदि बस्तियों के 70 हजार लोगों को की जा सकेगी।

एफएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुधीर राजपाल आईएएस द्वारा बताया गया था कि इस काम पर 25.63 करोड़ खर्च किये गये हैं। विदित है कि वर्ष 2004-5 में भारी खर्च से निर्मित यह प्लांट करीब 10 साल तक बेकार पड़ा रहा। उसके बाद जब चलाया तो कुछ दिन चल कर बेकार हो गया। अब यह बताया गया है कि बिजली कनेक्शन को लेकर कोई समस्या थी। वह समस्या हल करके तथा 25.63 करोड़ खर्च करके इसे चालू कर दिया गया है। बीते वीरवार को जब इसे चलाया गया तो मोटा कमीशन खाकर डाली गई इसकी घटिया पाइप लाईन फट गई और शुद्ध पेय जल सड़कों पर बिखरता रहा।

नतीजतन जिन घरों को शुद्ध पेयजल देने का सब्ज बाग दिखाया गया था, वे देखते ही रह गये। वहीं खारा पानी तथा महंगे भाव में टैंकरों से पानी खरीद कर पीना पड़ रहा है। फिलहाल बूस्टर बंद है, लेकिन वहां पर चार कर्मचारियों-- बालकृष्ण, सतबीर, मेहरचंद और महेश की ड्यूटी लगातार चल रही है। इनमें से मेहरचंद पलवल से तथा महेश पृथला से आता है। दिनांक 11 जनवरी को 10 बजे जब ये संवाददाता मौके पर पहुंचा तो वहां कोई भी कर्मचारी मौजूद नहीं था। कोई मौजूद रहकर वहां करेगा भी क्या क्योंकि बूस्टर बंद है और करने को वहां कुछ नहीं। कमाल तो यह है कि बूस्टर बंद है और चार कर्मचारियों का वेतन करदाता के खजाने से दिया जा रहा है।

संदर्भवश सुधी पाठक जान लें कि पिछले दिनों सेक्टर 22 स्थित मछली मार्केट वाले बूस्टर का उद्घाटन भी खट्टर महाशय कर गये थे। लेकिन उनकी घोषणा के विपरीत क्षेत्र के वासियों को उनके इस उद्घाटन से कोई लाभ नहीं हुआ।

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड रहा है कि
हमारी पूज्य माताजी

स्व. श्रीमती कमलेश पाल जी

धर्मपत्नी श्री एस.आर.एस. पाल
का आज दिनांक 12.01.2023
को देहावसान हो गया है।
जिनकी विनम्र श्रद्धान्जली सभा सैक्टर 55,
सिंहसभा गुरूद्वारा पुलिस चौकी के पास
शनिवार दिनांक 14, जनवरी, 2023
को होना निश्चित हुआ है।

कार्यक्रम
गुरू का लंगर ..... 1.00 बजे से 3.00
उठाला ..... 3.00 बजे से 4.00 बजे

शोकाकुलपरिवार

पुत्र
अनीशपाल धर्मपत्नी श्रीमती सिमरन पाल
स्व. मनीष पाल धर्मपत्नी श्रीमती सुषमा पाल
अमित पाल धर्मपत्नी श्रीमती सपना पाल
पोती/पोते
हिमालय पाल, गौरव पाल, सौरभ पाल संस्कार पाल
खुशाली पाल
1321, सैक्टर 55, फरीदाबाद
मोबाईल : 9810104914, 9312508360, 9811051241

REMEMBRANCE

25 Oct 1925 to 14 Jan 2003

On the 20th Death Anniversary of
Dy. S.P. **NIRANJAN SINGH**
you will always remain in our hearts.
Deeply Remembered by:

Sumitra Devi - Wife
Satish Kumar, Anil Kumar - Sons
Nirmal, Nisha - Daughters
Dr. S.S. Beniwal, S.S. Sheokand - Sons-in Law
Grand Sons & Daughters - Nidhi, Nakul, Yajur, Bobby, Divyejeet, Akhil & Vidushi